For B.Com-III Sub:- I Economy & Entrepreneurial Development :- 27-04-2020

Date 27-04-2020 Page 01

1. भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है, इस कथन की व्याख्या करें। शब्दों में भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताओं की व्याख्या

Ans - भारत - एक विकासशील अर्थव्यवस्था (India - A Developing Economy)

स्वतन्त्रता के पश्चात का आर्थिक नियोजन की अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था का काफी विकास हुआ है। फलतः भारत आरत विकास की स्थैतिक अवस्था से निकलकर प्रावैगिक अवस्था में प्रवेश कर चुका है। अतः भारत की अर्थव्यवस्था को एक विकासशील अर्थव्यवस्था कहा जाता है। भारतीय अर्थव्यव-स्था के रूप में मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. नियोजित मिश्रित अर्थव्यवस्था - 1 अप्रैल 1951 से भारतीय अर्थव्यवस्था में नियोजित अर्थव्यवस्था के रूप में कार्यशील है। यहाँ आर्थिक विकास के लिए पंचवर्षीय योजनाएँ बनायी जाती हैं। इसे मिश्रित इसलिए कहा जाता है कि यहाँ सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र दोनों को काम करने का समान अवसर दिया गया है एक तरफ सरकारी उपक्रम हैं तो दूसरी तरफ निजी उपक्रम। जुलाई 1991 से देश में आर्थिक सुधारों का नया कार्यक्रम अपनाया गया। सरकार निजीकरण, बाजारीकरण व अन्तर्राष्ट्रीयकरण पर बल देने लगी है।

2. सकल घरेलू उत्पाद के उद्योगवार वितरण में परिवर्तन - देश के आर्थिक विकास के फलस्वरूप राष्ट्रीय आय की संरचना में परिवर्तन हुए हैं। आर्थिक विकास की दर में वृद्धि होने पर कृषि का तुलनात्मक योगदान कम होता है तथा उद्योगों और सेवाओं का योगदान बढ़ जाता है।

3. प्रति व्यक्ति आय एवं राष्ट्रीय में वृद्धि हुई है।

4. बचत एवं विनियोग दरों में भी वृद्धि हुई है।

5. रोजगार संरचना में धीमी गति से परिवर्तन - विकासशील अर्थव्यवस्था में जनसंख्या का व्यावसायिक वितरण धीरे-2 औद्योगिक व सेवा - क्षेत्रों के पक्ष में परिवर्तित होता, जो हुआ है।

6. सुदृढ़ औद्योगिक ढांचा

7. आधारीसंरचना का तेजी से निर्माण हुआ है।

(P.T.O)

Scanned with CamScanner

Sub:- I. Economy & E. Development

8, विकासशील मुद्रा व पूंजी बाजार

9, सेवा क्षेत्र ने तेजी से विकास किया है।

10 आधुनिकीकरण का विकास

11, संरचनात्मक व संस्थागत परिवर्तन में वृद्धि हुई है।

12, कृषि क्षेत्र का चमत्कारपूर्ण विकास संभव हो सका है

13, सामाजिक सेवाओं का विस्तार हुआ है।

14, सामाजिक परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे है।

15, विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है।

16, विदेशी व्यापार में वृद्धि हुई है।

निष्कर्ष — भारतीय अर्थव्यवस्था की उपर्युक्त व्यवस्थाओं को मद्देनजर यह कहा जा सकता है कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था अर्द्ध विकसित नहीं बल्कि तेजी से उभरती हुई विकासशील अर्थव्यवस्था बन गयी है। यह हर्ष की बात है कि वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था हो गयी है। The End

Note— Students may kindly be contacted on my mobile No if they want any help.

Dr. S.K Sharma, 776583544
Dept. of Commerce
R.H College, Pandaul